दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१२ वा | बुधवार ३ सितम्बर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

मुंबई मैदान फतेह, सरकार ने लागु किया हैदराबाद गॅझेट का जीआर

धोका हूवा तो खैर नहीं, जरांगे पाटिल का इशारा

छायाः इम्तियाज शेख

जमीर काजी

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी में पिछले पांच दिनों से चल रहे ऐतिहासिक मराठा आंदोलन का मंगलवार को सफल समापन हुआ। आंदोलन को ठीक ढंग से न संभालने के लिए उच्च न्यायालय की फटकार के बाद कुछ हद तक बैकफुट पर आए राज्य सरकार ने मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे-पाटील की कुणबी प्रमाणपत्र से संबंधित हैदराबाद गॅझेट की मांग सहित अधिकांश मांगों को मान लिया, जिसके बाद उन्होंने आंदोलन वापस लेने की घोषणा की। मंत्रिमंडल उपसमिति के अध्यक्ष मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील के हाथों सरबत पीकर उन्होंने उपवास तोड़ा।

आंदोलनकारियों ने गुलाल उड़ाकर और 'एक मराठा, लाख मराठा', 'एकच वादा, जरांगे दादा', 'पाटील, पाटील' जैसे नारे लगाकर आजाद मैदान और सीएसएमटी क्षेत्र को गूंजायमान कर दिया। आंदोलन के सफल समापन के बाद खाने की रसद के साथ हजारों की संख्या में एकत्र हुए मराठा भाई-बहन रात से ही अपने-अपने गांवों की ओर रवाना हो गए। इससे दक्षिण मुंबई पूरी तरह खाली हो गई, जबकि एक्सप्रेस-वे और महामार्गों पर वापसी के लिए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

मराठों को सरसकट कुणबी मानकर ओबीसी कोटे से आरक्षण और हैदराबाद व सातारा गॅझेट की अंमलबजावणी की मुख्य मांगों के लिए जरांगे-पाटील ने उच्च न्यायालय की अनुमति के बिना २९ अगस्त से आजाद मैदान पर डेरा डाला था। उनके साथ राज्य भर से लाखों की संख्या में मराठा भाई-बहन मुंबई की ओर कूच कर चुके थे। आंदोलन के पांचवें दिन दोपहर ३:१५ बजे विखे-पाटील उपसमिति के अन्य सदस्यों के साथ उपवास स्थल पर पहुंचे। उन्होंने जो प्रस्ताव बनाया था, उसे जरांगे-पाटील के सामने रखा, जिसमें ८ में से ६ मांगें मानी गई थीं। जरांगे ने इसे सभी के सामने पढ़कर सुनाया और सरकार के आदेश (जीआर) लागू होने के बाद आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। इस दौरान उपसमिति के सदस्य मंत्री शिवेंद्रराजे, उदय सामंत और राणा जगजीतसिंह मंच पर मौजूद थे।

सरकार ने मानी गई मांगें:

हैदराबाद गॅझेट की अंमलबजावणी को मंजूरी: इस सरकारी निर्णय के अनुसार, मराठा जाति के उन व्यक्तियों को, जिनके गांव, कुल या रिश्तेदारों में किसी को कुणबी प्रमाणपत्र मिला हो, जांच के बाद कुणबी प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

सातारा, पुणे और औंध संस्थानों के गॅझेट की अंमलबजावणी: इस पर तेजी से कार्रवाई की जाएगी। कुछ कानूनी मुद्दों के कारण १५ दिनों में इसे हल कर मंजूरी दी जाएगी, इसकी गारंटी शिवेंद्रसिंहराजे ने दी।

सितंबर के अंत तक मराठा आंदोलनकारियों पर दर्ज सभी मामले और वाहनों पर लगाए गए जुर्माने वापस लिए जाएंगे।

मराठा आंदोलन में बलिदान देने वालों के परिवारों को अब तक १५ करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। जो इस सहायता से वंचित हैं, उन्हें एक सप्ताह में मदद दी जाएगी और उनके वारिसों को एसटी में नौकरियां दी जाएंगी।

५८ लाख नोंदों को ग्राम पंचायतों से जोड़ा जाएगा।

तहसील स्तर पर वंशावली समिति स्थापित करने की मंजूरी दी जाएगी।

मराठा और कुणबी एक ही होने के संबंध में कानूनी पहलुओं की जांच कर दो महीने में निर्णय लिया जाएगा।

सगे-संबंधियों के कुणबी नोंद के संबंध में ५८ लाख आपत्तियों पर दो महीने में निर्णय लिया जाएगा।

उच्च न्यायालय की कार्यवाही:

मंगलवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान मराठा आंदोलनकारियों की ओर से वकील सतीश माने-शिंदे ने दलील दी कि आंदोलन मुंबई से बाहर निकल रहा है और बुधवार सुबह ११ बजे तक का समय मांगा। कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए कहा कि यदि जवाब दिया गया तो विनंती मंजूर की जाएगी। साथ ही, आंदोलनकारियों द्वारा नियमों की अनदेखी करने पर तीव्र नाराजगी व्यक्त की थी। सोमवार को आजाद मैदान को छोड़कर मुंबई की सभी सड़कों को खाली करने का आदेश दिया गया था। इसके अनुसार, सोमवार देर रात जरांगे-पाटील और मुंबई के आयोजक वीरेंद्र पवार को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी की थी और दोपहर ३ बजे तक आंदोलन बंद करने की सूचना दी थी। इसके बाद दक्षिण मुंबई के विभिन्न स्थानों पर जमा आंदोलनकारियों को हटाया गया। दोपहर में सीएसएमटी स्टेशन के सामने सभी वाहनों और आंदोलनकारियों को हटा दिया गया।

...तो एक भी मंत्री को सड़क पर नहीं घूमने देंगे - जरांगे-पाटील की चेतावनी:

सरकार द्वारा प्रमुख मांगें मान लिए जाने के बाद आंदोलन समाप्त करते समय मनोज जरांगे-पाटील भावुक हो गए और उनके आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि मराठों ने लड़ाई लड़ी और जीत हासिल की, अब हमारा किसी से कोई बैर नहीं है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हैदराबाद गॅझेट की अंमलबजावणी में धोखा हुआ तो एक भी मंत्री को सड़क पर घूमने नहीं दिया जाएगा और उनकी हालत खराब कर दी जाएगी।

मुंबई में मनोज जरांगे-पाटील के मराठा आंदोलन के समापन पर नेताओं के बयानः विस्तृत रिपोर्ट

दिनांक: २ सितंबर २०२५

मुंबई के आजाद मैदान में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जरांगे-पाटील द्वारा शुरू किया गया पांच दिवसीय आंदोलन और उपवास आज सफलतापूर्वक समाप्त हो गया। राज्य सरकार ने हैदराबाद गॅझेट की अंमलबजावणी सहित अधिकांश मांगों को मान लिया, जिसके बाद जरांगे-पाटील ने उपवास तोड़ा और आंदोलन वापस ले लिया। इस ऐतिहासिक अवसर पर विभिन्न राजनीतिक नेताओं ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। सरकार के मंत्रियों से लेकर विपक्षी नेताओं तक ने इसकी सराहना की, जबकि कुछ ने चेतावनी भी दी। नीचे विस्तार से प्रमुख नेताओं के बयानों का विवरण दिया गया है,

१. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (महाराष्ट्र सरकार, शिवसेना-बीजेपी गठबंधन)

एकनाथ शिंदे ने आंदोलन के समापन पर सबसे पहले मनोज जरांगे-पाटील और मराठा समुदाय का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने सकारात्मक और व्यावहारिक तरीके से मांगों पर प्रतिक्रिया दी है। शिंदे ने वीडियो संदेश में विस्तार से बताया:

आज, मैं सबसे पहले मनोज जारंगे पाटिल को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं मुंबई आए मराठा समुदाय के सभी भाइयों और बहनों का भी आभार व्यक्त करता हूं। आंदोलन अब समाप्त हो गया है, और सरकार ने उनकी मांगों पर सकारात्मक और व्यावहारिक रूप से प्रतिक्रिया दी है। मनोज जारंगे पाटिल, जो आंदोलन के प्रमुख थे, उन्होंने हमेशा मराठा समाज को न्याय देने के लिए आंदोलन किए हैं। वे एक संवेदनशील व्यक्ति हैं और उनके आंदोलन को आज यश मिला है। हमारी सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया... सभी लोगों ने इस ओर अपनी भूमिका निभाई... उनकी जो हैदराबाद गॅझेट को लागू करने की मांग थी, उसका जीआर हमारी सरकार ने निकाला है... कई लोगों ने इस ओर अपना योगदान भी दिया है। सभी लोगों को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं कि आज मराठा समाज का एक बड़ा आंदोलन स्थगित हो गया।

शिंदे का यह बयान ख-छड हिंदी और -छख हिंदी न्यूज के माध्यम से प्रसारित हुआ। उन्होंने आंदोलन को मराठा समाज के लिए न्यायपूर्ण कदम बताया और कहा कि यह महायुती सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

२. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (महाराष्ट्र सरकार, बीजेपी)

फडणवीस ने आंदोलन समाप्ति को बड़ी गुड न्यूज बताते हुए पांच प्रमुख मांगों को मानने की पुष्टि की। नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा:

मुंबईकर के लिए बड़ी 'गुड न्यूज', खत्म होगा मनोज जरांगे का मराठा आंदोलन। फडणवीस ने मानी पांच मांगें। फडणवीस ने विशेष रूप से हैदराबाद गॅझेट और सातारा गॅझेट की अंमलबजावणी पर जोर दिया, जो मराठा समाज को ओबीसी कोटे से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने मराठा युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं।

फडणवीस ने एक प्रेस रिलीज में जोड़ा: यह आंदोलन मराठा समाज की एकजुटता का प्रतीक है। हमने उनकी मांगों को व्यावहारिक रूप से हल किया है, और अब मराठा भाइयों-बहनों को शिक्षा व नौकरियों में उनका हक मिलेगा। यह बयान मनीकंट्रोल हिंदी और अन्य मीडिया आउटलेट्स में प्रमुखता से छप

३. उपमुख्यमंत्री अजित पवार (महाराष्ट्र सरकार, एनसीपी)

अजित पवार का सीधा बयान उपलब्ध नहीं है, लेकिन संजय निरुपम के पोस्ट में उनका नाम लेते हुए सराहना की गई। निरुपम ने कहा कि फडणवीस, शिंदे और पवार ने मिलकर इस सफलता को सुनिश्चित किया। पवार की भूमिका मंत्रिमंडल उपसमिति में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जहां उन्होंने कानूनी बाधाओं को दूर करने पर जोर दिया। ईटीवी भारत की रिपोर्ट में उल्लेख है कि पवार ने पृष्ठभूमि में काम करके १५ दिनों में गॅझेट संबंधी मुद्दों को हल करने की गारंटी दी।

४. केंद्रीय मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील (मंत्रिमंडल उपसमिति के अध्यक्ष, बीजेपी)

विखे-पाटील ने आजाद मैदान पर उपवास स्थल जाकर जरांगे-पाटील को सरबत पिलाया और प्रस्ताव पढ़ा। उन्होंने कहा:

हमने ८ में से ६ मांगें तत्काल मान ली हैं। हैदराबाद गॅझेट की अंमलबजावणी से मराठा समाज को कुणबी प्रमाणपत्र मिलेगा, और सातारा, पुणे व औंध गॅझेट पर १५ दिनों में कार्रवाई होगी। विखे-पाटील ने उपसमिति के अन्य सदस्यों (शिवेंद्रराजे भोसले, उदय सामंत, राणा जगजीतसिंह पाटील) के साथ मिलकर इस समझौते को अंतिम रूप दिया। उन्होंने जरांगे-पाटील को संघर्ष योद्धा कहा और कहा कि यह मराठा समाज की जीत है। वन इंडिया न्यूज की रिपोर्ट में उनकी भूमिका को निर्णायक बताया

५. केंद्रीय मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले (मंत्रिमंडल उपसमिति सदस्य, बीजेपी)

भोसले ने गारंटी दी कि कानूनी बाधाओं को १५ दिनों में दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा:

सातारा, पुणे और औंध संस्थानों के गॅझेट की अंमलबजावणी पर जलदगति से कार्यवाही होगी। मराठा समाज को उनका हक मिलेगा। भोसले ने आंदोलन को ऐतिहासिक बताया और कहा कि सरकार ने मराठा एकजुटता का सम्मान किया। स्वराज के पोस्ट में भी उनकी उपस्थिति का उल्लेख है।

६. संजय निरुपम (पूर्व सांसद, कांग्रेस)

निरुपम ने सरकार की सराहना करते हुए कहा:

आज़ाद मैदान से ख़ुशख़बरी आ रही है। सरकार ने मराठा आरक्षण के लिए अनशन पर बैठे आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटील की मांगें मान ली है। पाटिल ने अनशन तोड़ दी है और आंदोलन वापस ले लिया है। मराठा युवकों को शिक्षा और नौकरियों में एक कोटा मिलना चाहिए ताकि वे विकास और तरक़्क़ी की दौड़ में आगे निकल सकें। इस कामयाबी के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनविस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मराठा आंदोलन के लिए गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति को ढेर सारी बधाइयाँ। समाज के हर वर्ग की कुछ आकांक्षाएं होती हैं। इसके लिए उनकी सरकार से अपेक्षाएँ होती हैं। सरकार का धर्म है, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना। जो लोग महाराष्ट्र में मराठा समाज में व्याप्त असंतोष के नाम पर आग लगाना चाहते थे, वे आज बहुत निराश होंगे।

निरुपम ने इसे विपक्ष के लिए झटका बताया।

७. प्रणिता देशोर चिखलिकर (बीजेपी महिला मोर्चा उपाध्यक्ष)

चिखलिकर ने मराठी में बधाई दी,

मराठा एकजुटीचा विजय। महाराष्ट्र राज्य मंत्रीमंडळ उपसमितीने मराठा आरक्षणाचे योद्धे मनोज जरांगे पाटील यांच्या आंदोलनातील मागण्यांसंदर्भात मराठा समाजाच्या न्याय्य हक्कांसाठीच्या मागण्या मान्य केल्या। महायुतीचे सरकारचे मनःपूर्वक धन्यवाद। सर्व मराठा बंधू-भगिनींचे मनःपूर्वक अभिनंदन। (अर्थ: मराठा एकजुट की जीत। सरकार ने जरांगे-पाटील की मांगें मान लीं। महायुती सरकार को धन्यवाद, सभी मराठा भाइयों-बहनों को बधाई।)

अन्य प्रतिक्रियाएं और सामान्य टिप्पणियां

भैया पाटिल (मराठा कार्यकर्ता): उन्होंने जरांगे-पाटील को धन्यवाद दिया लेकिन चेतावनी दी कि एक महीने बाद वास्तविकता पता चलेगी। मनोज दादा जरंगे पाटील यांनी मराठा समाजाला मोठा न्याय मिळवून दिला त्याबद्दल त्यांचे आभार... मराठा समाजाच्या सर्व मागण्या मान्य झाल्या.. आता यापुढे त्यांच्यावर पुन्हा कधी उपोषण करायची वेळ येऊ नये। (अर्थ: जरांगे-पाटील ने बड़ा न्याय दिलाया, लेकिन अब कोई उपवास न हो।)

सीएनबीसी आवाज: रिपोर्ट में कहा गया कि अनशन खत्म होने से राहत मिली, लेकिन विस्तृत बयान नहीं। विपक्षी दलों (जैसे शिवसेना-यूबीटी या एनसीपी-एसपी) से कोई प्रमुख बयान नहीं मिला, लेकिन कुछ पोस्ट्स में आलोचना की गई कि सरकार ने देर से कदम उठाया। यह आंदोलन मराठा समाज के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। सरकार ने ५८ लाख नोंदों को जोड़ने, गुन्हे माफ करने और वंशावली समितियां बनाने जैसे कदमों का वादा किया है। यदि कोई धोखा हुआ, तो जरांगे-पाटील ने चेतावनी दी है। कुल मिलाकर, नेताओं के बयान सकारात्मक रहे, जो महायुती सरकार की छवि मजबूत करते हैं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बिटकॉइन घोटाला: गुजरात के पूर्व भाजपा विधायक कोटडिया और तीन आईपीएस पुलिस अधिकारियों को १४-१४ साल की सजा

क्रिप्टोकरेंसी मामले में ९८ गवाह मुकर गए। फिर भी अदालत ने अभी तक सजा नहीं सुनाई है

हबीब शेख, अहमदाबाद

सूरत के विवादास्पद बिटकॉइन जबरन वसूली मामले में पूर्व भाजपा विधायक नलिन कोटडिया को दोषी पाया गया है। अहमदाबाद सत्र न्यायालय ने अमरेली के तत्कालीन एसपी जगदीश पटेल को भी सजा सुनाई है। सूरत के बिल्डर शैलेश भट्ट का अपहरण कर २०० बिटकॉइन जब्त कर ३२ करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई थी। इस गिरोह ने फिरौती मांगकर शैलेश भट्ट को एक मामले में फंसाया था।

जगदीश पटेल, अमरेली स्थानीय अपराध शाखा के तत्कालीन पुलिस निरीक्षक अनंत पटेल को कारावास की सजा सुनाई गई। हालाँकि, कुल १४ लोग आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने २०१८ में सूरत से शैलेश भट्ट का अपहरण कर १०० करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। बिल्डर शैलेश भट्ट के खिलाफ बिटकॉइन वाली एक कंपनी में बिटकॉइन जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया था। शैलेश भट्ट का पैसा एक वित्तीय निवेश में डूब गया था। इसलिए उसने इस कंपनी के मालिक और कर्मचारियों का अपहरण कर लिया और पैसे वापस पाने के लिए २०० बिटकॉइन की मांग की। उसके बाद, इस मामले में, अमरेली स्थानीय अपराध शाखा के तत्कालीन पीआई अनंत पटेल ने शैलेश भट्ट का अपहरण कर लिया और सरकारी वाहनों में फिरौती वसूल की। पुलिस अपहरणकर्ताओं ने शैलेश भट्ट को कैद कर लिया।

इस पूरी जबरन वसूली में, बिटकॉइन ट्रांसफर किया गया था। अदालत ने कहा कि पूर्व भाजपा विधायक नलिन कोटडिया ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, अदालत ने इस घोटाले के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में कोटडिया को दोषी पाया। मामला सामने आने के बाद, सीआईडी ने अनंत पटेल और सूरत के एक वकील केतन पटेल सहित १० पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। शैलेश भट्ट को गांधीनगर के पास ले जाया गया और उनसे पूछताछ की गई। पूर्व आईपीएस जगदीश पटेल सहित १४ आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। कोटडिया को भगोड़ा घोषित किया गया था, लेकिन अंत में। अंत में, उन्हें महाराष्ट्र के धुलिया से पकड़ा गया और अदालत में पेश किया गया जहां उनकी रिमांड भी बढ़ा दी गई। उसके बाद, उच्च न्यायालय ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। पूर्व विधायक नलिन कोटडिया, उस समय अमरेली के तत्कालीन एसपी जगदीश थे। जब सीआईडी जांच में पटेल और अन्य के नाम सामने आए, तो क्राइम ब्रांच ने जगदीश पटेल को हिरासत में लिया और आगे की जांच के लिए उसे गिरफ्तार कर लिया। पूरे घटनाक्रम में नलिन कोटडिया का नाम सामने आया। वह लंबे समय तक पुलिस से फरार रहा। लंबे समय तक फरार रहने के बाद, सीआईडी क्राइम ने उसे महाराष्ट्र के जलगांव से पकड़ लिया। सीआईडी क्राइम ने गांधीनगर में अपहरणकर्ता पुलिस कर्मियों और पूर्व विधायक नलिन कोटडिया के खिलाफ शिकायत दर्ज की। यह मामला इतने लंबे समय से अहमदाबाद के सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट में चल रहा था। पूरी घटना से पहले, शैलेश अदालत में जबरन वसूली के आरोपों का सामना कर रहा था। भट्ट पर सूरत में बिट कनेक्ट नामक कंपनी से अपहरण और धोखाधड़ी का मामला भी चल रहा था

अंबाजोगाई में दर्दनाक हादसा; बस से उतरते समय पल्लू फँसने से महिला की मौत

अंबाजोगाई (प्रतिनिधि)

अंबाजोगाई : शहर के पास मोरेवाड़ी क्षेत्र में पानी की टंकी के नज़दीक आज सुबह हुए एक हादसे में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतका का नाम विजयमाला सरवदे (उम्र ५७, निवासी केज) बताया गया है। वे स्वामी रामानंद तीर्थ अस्पताल में ठेका कर्मचारी के रूप में कार्यरत थीं।

मिली जानकारी के अनुसार विजयमाला सरवदे नौकरी के सिलसिले में रोज़ केज से अंबाजोगाई आती-जाती थीं। आज सुबह भी वे अंबाजोगाई आने के लिए धारूर से परली की ओर जा रही बस (एमएच १४ एमएच २३४७) में सवार हुईं। अंबाजोगाई में बस रुकने पर जब वे उतरने लगीं तो उनकी साड़ी का पल्लू बस में फँस गया और वे नीचे गिर पड़ीं। इतने में बस आगे बढ़ी और उनके दोनों पैरों पर से पहिए गुजर गए।

उन्हें तुरंत गंभीर हालत में स्वामी रामानंद तीर्थ अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही उनकी मौत हो गई। इस घटना से अस्पताल परिसर में शोक की लहर फैल गई है और सहकर्मी कर्मचारी व स्थानीय नागरिक गहरा दुःख व्यक्त कर रहे हैं। आगे की जाँच अंबाजोगाई पुलिस कर रही है।

गणपति विसर्जन, ईद-ए-मिलाद के अवसर पर गड्ढे भरें, स्ट्रीट लाइट लगाएँ और सफाई करें-नुमान चाऊस

बीड़ ज़िले में आने वाले सात-आठ दिनों में कई त्यौहार मनाए जाने वाले हैं। इन त्यौहारों के दौरान शोभायात्राएँ, झाँकियाँ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सड़कों पर आयोजन होते हैं। लेकिन बीड़, माजलगाँव, गेवराई, परली, अंबाजोगाई, केज, पाटोदा, धारूर, वडवणी, आष्टी और शिरूर शहरों की स्थिति देखते हुए सड़कों पर गड्ढे, पानी जमा होना, शाम और रात के समय कई स्ट्रीट लाइटों के नीचे रोशनी का न होना, सफाई का अभाव जैसी कई समस्याएँ हैं।

त्यौहारों का यह समय देखते हुए प्रशासन को चाहिए कि ज़िले के सभी शहरों में सफाई की व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटों के नीचे रोशनी, गड्ढों की मरम्मत, गंदे पानी की सही निकासी समेत अन्य संबंधित कार्य जल्द से जल्द पूरे किए जाएँ। ऐसी माँग मौलाना आज़ाद युवा मंच की ओर से बीड़ ज़िलाध्यक्ष नुमान अली चाऊस ने की है।

लक्ष्मण हाके और अन्य OBC नेताओं का महाराष्ट्र सरकार के फैसले पर विरोध

विस्तृत रिपोर्ट दिनांक: २ सितंबर २०२५

मुंबई के आजाद मैदान में मनोज जरांगे-पाटील के नेतृत्व में चले पांच दिवसीय मराठा आरक्षण आंदोलन का आज सफल समापन हुआ। राज्य सरकार ने हैदराबाद गॅझेट की अंमलबजावणी (कार्यान्वयन) को मंजूरी देकर मराठा समुदाय को कुणबी (OBC) दर्जा देने का रास्ता साफ किया, जिससे मराठा समुदाय को OBC कोटे (महाराष्ट्र में १९%) से आरक्षण मिल सके। हालांकि, यह फैसला OBC समाज के लिए चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि इससे OBC आरक्षण पर असर पड़ने का डर है। OBC नेताओं ने इसे OBC अधिकारों पर हमला बताते हुए तीव्र विरोध जताया है। लक्ष्मण हाके, जो OBC संघर्ष सेना के प्रमुख हैं, ने सबसे आक्रामक बयान दिए हैं। नीचे विस्तार से प्रमुख OBC नेताओं के विरोध के विवरण दिए गए हैं, जो समाचार स्रोतों (जैसे नवभारत लाइव, आज तक, इंडियन एक्सप्रेस, हिंदुस्तान टाइम्स) और रिपोर्ट्स पर आधारित हैं।

१. लक्ष्मण हाके (जइउ संघर्ष सेना के प्रमुख, धनगर समुदाय से)

लक्ष्मण हाके, जो पूर्व में पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में प्रोफेसर थे और अब जइउ आरक्षण के लिए सक्रिय कार्यकर्ता हैं, ने सरकार के फैसले को जइउ कोटे पर घुसपैठ बताया। उन्होंने मराठा आंदोलन को जइउ के खिलाफ साजिश करार दिया और चेतावनी दी कि इससे जइउ समाज सड़कों पर उतरेगा। २९ अगस्त २०२५ को पुणे में दिए गए बयान में हाके ने कहा:

अगर जरांगे-पाटील की मांगें मानी गईं, तो यह दिखाएगा कि सरकार मराठा दबाव में झुक गई है। जइउ समूह कभी भी अपने कोटे पर समझौता नहीं करेंगे। ३५० जइउ समुदायों का हिस्सा खतरे में है। अगर मराठा समाज को OBC कोटे से आरक्षण

शाश्वत विकास की दूरदर्शी लोकचेतना : मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान

भारत एक कृषि प्रधान देश है और गाँव इसका प्राण केंद्र हैं। इसलिए जब तक गाँवों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा और उनका शाश्वत (सतत) विकास नहीं होगा, तब तक देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। शाश्वत विकास वह है, जो वर्तमान पीढ़ी की ज़रूरतें पूरी करते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण करता है। इसी कारण गाँवों का शाश्वत विकास राज्य और राष्ट्र की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज भी कई गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पीने का पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ उच्च दर्जे की शिक्षा, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए सर्वांगीण सुविधा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता और विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा सुनिश्चित करने के लिए शासन लगातार प्रयासरत है।

अभियान का शुभारंभ

इसी पृष्ठभूमि में राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इस अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन १७ सितंबर २०२५ को होगा। यह अभियान केवल प्रतिस्पर्धात्मक न रहकर ग्रामविकास को जनआंदोलन का स्वरूप देगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना अनुसार २९ जुलाई २०२५ को राज्य मंत्रिमंडल ने इसकी मंजूरी दी। इसके लिए कुल २९०.३३ करोड़ की तरतूद की गई है। इसमें से २४५.२० करोड़ पुरस्कारों के लिए और शेष राशि प्रचार, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए उपयोग की जाएगी।

अभियान का उद्देश्य

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गाँवों में सुशासन स्थापित करना, ग्रामवासियों में आत्मनिर्भरता निर्माण करना और विकास के लिए प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार करना है। यह योजना केवल प्रशासनिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी पर आधारित है।

ग्रामविकास मंत्री जयकुमार गोरे के मार्गदर्शन में ठिबक सिंचाई, शेततलाब, बंधारे, जलसंवर्धन, जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं की प्रभावी अंमलबजावणी की जा रही है। साथ ही सेंद्रिय खेती, आवास योजनाओं के तहत घर, महिलाओं का बचत गटों से सशक्तिकरण, दुग्धोत्पादन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य व्यवसाय, कुक्कुट पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर किसानों की आय दोगुनी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अभियान से इन प्रयासों को और गति मिलेगी।

अभियान के ७ प्रमुख घटक

१. सुशासनयुक्त पंचायत - पारदर्शी और लोकाभिमुख प्रशासन

२. सक्षम पंचायत - आर्थिक स्वावलंबन, उडठ निधि व जनसहभागिता

३. जलसमृद्ध, स्वच्छ व हरित गाँव - पर्यावरण संरक्षण व जल प्रबंधन

४. योजनाओं का अभिसरण - मनरेगा व अन्य योजनाओं की प्रभावी अंमलबजावणी

५. संस्था सशक्तिकरण - स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्रों की बुनियादी मज़बूती

६. जीविका विकास व सामाजिक न्याय - रोजगार सृजन व महिला सशक्तिकरण

७. जनसहभाग व श्रमदान - ग्रामवासियों का प्रत्यक्ष सहभाग और श्रमदान

ख़ासतौर पर सातवाँ घटक - जनसहभाग व श्रमदान - इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार है।

पुरस्कार संरचना

राज्यस्तरीय पुरस्कार :
प्रथम : ५ करोड़
द्वितीय : ३ करोड़
तृतीय : २ करोड़

विभागीय पुरस्कार :
प्रथम : १ करोड़
द्वितीय : ८० लाख
तृतीय : ६० लाख

जिलास्तरीय पुरस्कार :
प्रथम : ५० लाख
द्वितीय : ३० लाख
तृतीय : २० लाख

तालुकास्तरीय पुरस्कार :
प्रथम : १५ लाख
द्वितीय : १२ लाख
तृतीय : ८ लाख

विशेष पुरस्कार : प्रत्येक तालुके की २ ग्रामपंचायतों को ५ लाख।

इसके अलावा पंचायत समितियों और जिला परिषदों के लिए भी पुरस्कार तय किए गए हैं।

मूल्यांकन पद्धति

अभियान की अवधि १७ सितंबर से ३१ दिसंबर २०२५ तक रहेगी। मूल्यांकन १०० अंकों के मानदंड पर होगा। इसमें पारदर्शी प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, पर्यावरण, कर वसूली और जनसहभाग का विचार किया जाएगा। प्रत्येक ग्रामपंचायत को दैनिक रिपोर्ट मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइट पर प्रस्तुत करनी होगी।

अभियान से पहले राज्य, जिला और तालुका स्तर पर कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण और ग्रामसभाएँ आयोजित की जाएँगी। जागरूकता के लिए पोस्टर, बैनर, सोशल मीडिया, सफलता की कहानियाँ और लघु चलचित्र का उपयोग होगा।

शिक्षा और कौशल विकास

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा शाश्वत विकास की पहली सीढ़ी है। इस अभियान के माध्यम से डिजिटल क्लास, ई-लर्निंग, पुस्तकालय और कौशल आधारित प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी। कंप्यूटर, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिक, सिलाई, कारीगरी आदि क्षेत्रों में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायतराज अभियान केवल एक स्पर्धा नहीं, बल्कि ग्रामीण महाराष्ट्र के सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यदि हर ग्रामवासी इसमें सहभाग करे तो गाँवों का चेहरा बदल जाएगा और शाश्वत विकास की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह अभियान सचमुच लोकचेतना का दूरदर्शी प्रयास सिद्ध होगा।

(किरण वाघ, विभागीय संपर्क अधिकारी)

मिल्लीया महाविद्यालय की ओर से हाफिज मोहम्मद इक़बाल अब्दुल समद का सत्कार

बीड : यहाँ के मिल्लीया कला, विज्ञान एवं प्रबंधनशास्त्र महाविद्यालय के एम.ए. उर्दू के पूर्व छात्र हाफिज मोहम्मद इक़बाल अब्दुल समद ने उर्दू विषय में सेट परीक्षा उत्तीर्ण की तथा यूजीसी-नेट पीएच.डी. प्रवेश पात्रता परीक्षा पास की। इस उल्लेखनीय यश के उपलक्ष्य में दिनांक ०२ सितंबर २०२५, मंगलवार को उनका सत्कार किया गया।

इस अवसर पर संस्थे के अध्यक्ष डॉ. सलीम अहमद बिन महफूज़, सचिव श्रीमती खान सबीहा मैडम, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इलयास फाज़ील, उपप्राचार्य प्रो. हुसैनी एस.एस., उर्दू के पूर्व प्राध्यापक सैयद फ़रीद अहमद नेहरी, प्रो. अब्दुल समद, प्रो. शेख़ फ़िरोज़ इलियास, डॉ. क़ाज़ी अर्शिया जबीन , डॉ. मोहम्मद नासेर बागबान, डॉ. मुजम्मिल फ़ारूकी, ग्रंथपाल डॉ. आमेर सलीम, कार्यालयीन अधीक्षक श्री शेख़ रिज़वान, सभी प्राध्यापकगण, कर्मचारीवर्ग तथा विद्यार्थी-विद्यार्थिनियाँ उपस्थित थे और उन्होंने हार्दिक अभिनंदन किया।

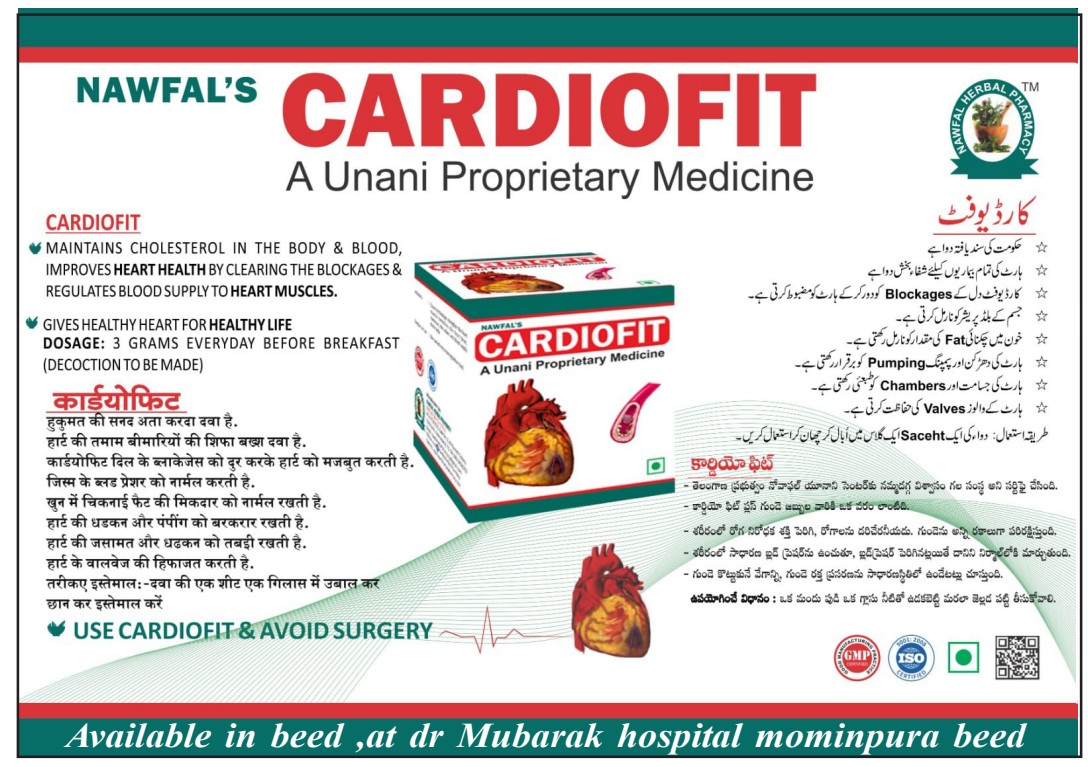

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com